

न्यायालय तहसीलदार (राजस्व), अनूपगढ़

संख्या 35/19

सरकार जरिये पटवारी हल्का

बनाम

जाति सुजन सिंह पुत्र सुजन सिंह
साकिन 280m(8) निर्णय दिनांक 16/4/19

इस प्रकार में संक्षिप्त तथ्य निम्न प्रकार हैं :-

पटवारी हल्का 280m(8) ने इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि वह 280m(8) के मु. नं. 280/4.50 के कि. नं. के कुल 2870 रु. रकबा राज पर सुजन सिंह पुत्र सुजन सिंह जाति साकिन 280m(8) ने फसल रबी/खरीफ में जिनस रकबा पर 5 पट 2075 काशत कर अतिक्रमण कर लिया है।

पटवारी के आवेदन को रोजस्थान उपनिवेशन अधिनियम 1954 की धारा 22 के तहत दर्ज रजिस्टर कर, अप्रार्थी प्रारूप में नोटिस जारी किया गया। नोटिस में विनिर्दिष्ट भूमि का अंकन कर अप्रार्थी से यह आपेक्षा की गई थी, कि वह निर्धारित तिथि तक इस भूमि से अपना अधिभोग हटा लें, अन्यथा उपस्थित आकर ऐसा न करने का कारण बतावें। नोटिस अप्रार्थी पर विहित रिति से तामिल हुआ।

नोटिस के प्रत्युत्तर में, अप्रार्थी दिनांक 16/4/19 को उपस्थित आया। उसने लिखित जवाब प्रस्तुत किया, जो शामिल किया गया।

पत्रावली का अवलोकन किया गया।

पटवारी हल्का की रिपोर्ट के अनुसार प्रशनगत भूमि रकबा राज हैं। अप्रार्थी ने अपने प्रार्थना पत्र में ऐसा कोई उपयुक्त कारण नहीं बताया है जिसके आधार पर उक्त भूमि पर अप्रार्थी का कब्जा विधिपूर्ण साबित हो। अतः

अप्रार्थी सुजन सिंह पुत्र सुजन सिंह को वह 280m(8) के मु. नं. 280/4.50 के 2870 रु. रकबा राज को विधिपूर्ण प्राधिकार के बिना अधियोग में लेने के कारण अतिधारी किया जाता है। इस अतिधार के लिये उक्त पर नू-राजस्व का 10 गुणा रूपये 215 अखरे रूपये 215 मात्र की शास्ती आरोपित किया जाता है नू. अनि. निरीक्षक को पूर्व में उक्त रकबा पर काशत फसल को कुर्क करने के अन्तरिम आदेश दिये गये थे, उसकी पुष्टि कि जाती है। नू. अनि. निरीक्षक को आदेश जारी हो कि कुर्क फसल सरेआम निलाम कर, बाद अनुमोदन राशि राजकोष में जमा करावें।

पटवारी हल्का को आदेश जारी हो कि शास्ती की मांग दालबाछ में कायम, वसूली करें तथा अप्रार्थी को उक्त रकबा राज से बंदखल कर कब्जा बहक सरकार लेवे। T.R.A. के 'घ' रजिस्टर में मांग कायम करावें।

पत्रावली फसल शुमार होकर बाद तरतीब व तफसील दाखिल दफ्तर हो।

(निर्णय सरे इजलास सुनाया गया।)

तहसीलदार (राजस्व)

अनूपगढ़